॥ ओम शान्ति ॥

सभी ब्राह्मण कुल भूषण आत्माओं को 82 वीं हीरे तुल्य त्रिमूर्ति शिव जयन्ती की कोटि कोटि बधाईयां। इस सुनहरे अवसर पर सम्बन्ध-सम्पर्क वाली आत्माओं को विशेष आमन्त्रित कर उन्हें परमात्म कार्यों से अवगत कराते ईश्वरीय सन्देश देना है। बापदादा ने जो महावाक्य उच्चारण किये हैं, उनमें सात मुख्य संकल्प (वायदे), झण्डा फहराने के पहले निमित्त बहन हर एक से यह संकल्प करायें कि –

1] एक 'पास' शब्द की स्मृति से, जो कुछ बीता उसे पास करके, बापदादा के पास (समीप) रहेंगे और हर परीक्षा में फुल पास होकर विजयी बनकर दिखायेंगे।

2] मधुर बोल और व्यवहार द्वारा मिलनसार बन आपस में संस्कार मिलन की रास करेंगे।

3] सर्वगुण और विशेषताओं को जीवन में धारण कर, धारणा स्वरूप का साक्षात्कार करायेंगे।

4] अपने हर संकल्प, श्वांस, समय और शक्ति रूपी खजाने को सफल कर सफलता स्वरूप बनेंगे।

5] हर बीती को सेकण्ड में फुलस्टाप लगाकर सदा अतीन्द्रिय सुखमय जीवन का अनुभव करेंगे।

6] परिवर्तन की शक्ति से हर निगेटिव संकल्प, निगेटिव चलन को पॉजिटिव में चेंज करेंगे।

7] अलबेलेपन को समाप्त कर ब्रह्मा बाप समान सदा निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी स्थिति बनायेंगे।

इन संकल्पों को दृढ़ता से रिवाइज करते हुए **'बाप ने कहा बच्चों ने किया'** ऐसे तीव्र पुरुषार्थ की लहर चारों ओर फैलानी है। अव्यक्त पालना का सबूत प्रत्यक्ष जीवन द्वारा देना ही है।

नोट : कृपया सभी निमित्त आत्मायें अपने छोटे-बड़े सेवाकेन्द्रों, उपसेवाकेन्द्रों, गीता पाठशालाओं के निमित्त भाई-बहनों तक यह कॉपी अवश्य पहुचायें। धन्यवाद।